<u>Ragging Ruins</u>

[redacted]

Vet-112

रैगिंग का शाब्दिक अर्थ होता है डांटना या सताना, जिसे कॉलेज व अन्य शिक्षण संस्थानों में पुराने व नए छात्रों के बीच बातचीत बढ़ाने के लिए शुरू किया गया था। परन्तु अब इसका अर्थ धीरे-धीरे बदलने लगा है। वर्तमान में रैगिंग एक आतंक का रूप धारण कर चुकी है। आजकल के संदर्भ में रैगिंग का अर्थ है वरिष्ठ छात्रों द्वारा नव आगंतुकों के साथ किए जाने वाली हिंसा, गाली-गलौच व मारपीट इत्यादि। अक्सर देखा जाता है कि विद्यार्थी किसी शिक्षण संस्थान में दाखिले से इतना चिंतित नहीं होते जितना रैगिंग से होते हैं। रैगिंग पश्चिमी देशों की सभ्यता है जो अब हमारे देश में भी जड़ें जमा चुकी है। आजकल रैगिंग अपने मनोरंजन तथा दूसरे व्यक्ति से बदला लेने अथवा उसे नीचा दिखाने के लिए की जाती है। मनुष्य की कल्पना की कोई सीमा नहीं है तथा रैगिंग के संदर्भ में यह कथन सत्य है। वर्तमान में रैगिंग अमानवीय, भद्दे एवं यातनापूर्ण तरीके से की जाती है जैसे कि मौखिक यातना, मज़ाक उड़ाना, ड्रग्स अथवा मदिरा सेवन के लिए मजबूर करना, सीनियर के नोट्स बनाना, यौन उत्पीड़न आदि। रैगिंग के कारण छात्रों पर विभिन्न दुष्प्रभाव पड़ते हैं जैसे शारिरिक एवं मानसिक कष्ट, यौन उत्पीड़न, मानवाधिकारों का उलंघन तथा कई बार विद्यार्थी को अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ता है। ऐसी ही एक घटना 8 मार्च 2009 को हिमाचल प्रदेश के कांडा